प्रथम ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन

भारत प्रथम ग्लोबल इंडिया एआई (Global India AI) सम्मेलन की अक्टूबर 2023 में मेजबानी करेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) इस सम्मेलन का आयोजनकर्ता है। ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन 14-15 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया जाएगा।

केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर सम्मेलन की संचालन समिति के अध्यक्ष हैं, जिसे ग्लोबल इंडियाएआई 2023 की रुपरेखा तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल अर्थव्यवस्था सलाहकार समूह और एआई के क्षेत्र में अन्य प्रमुख नेता हैं।

ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन 14-15 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया जाएगा।

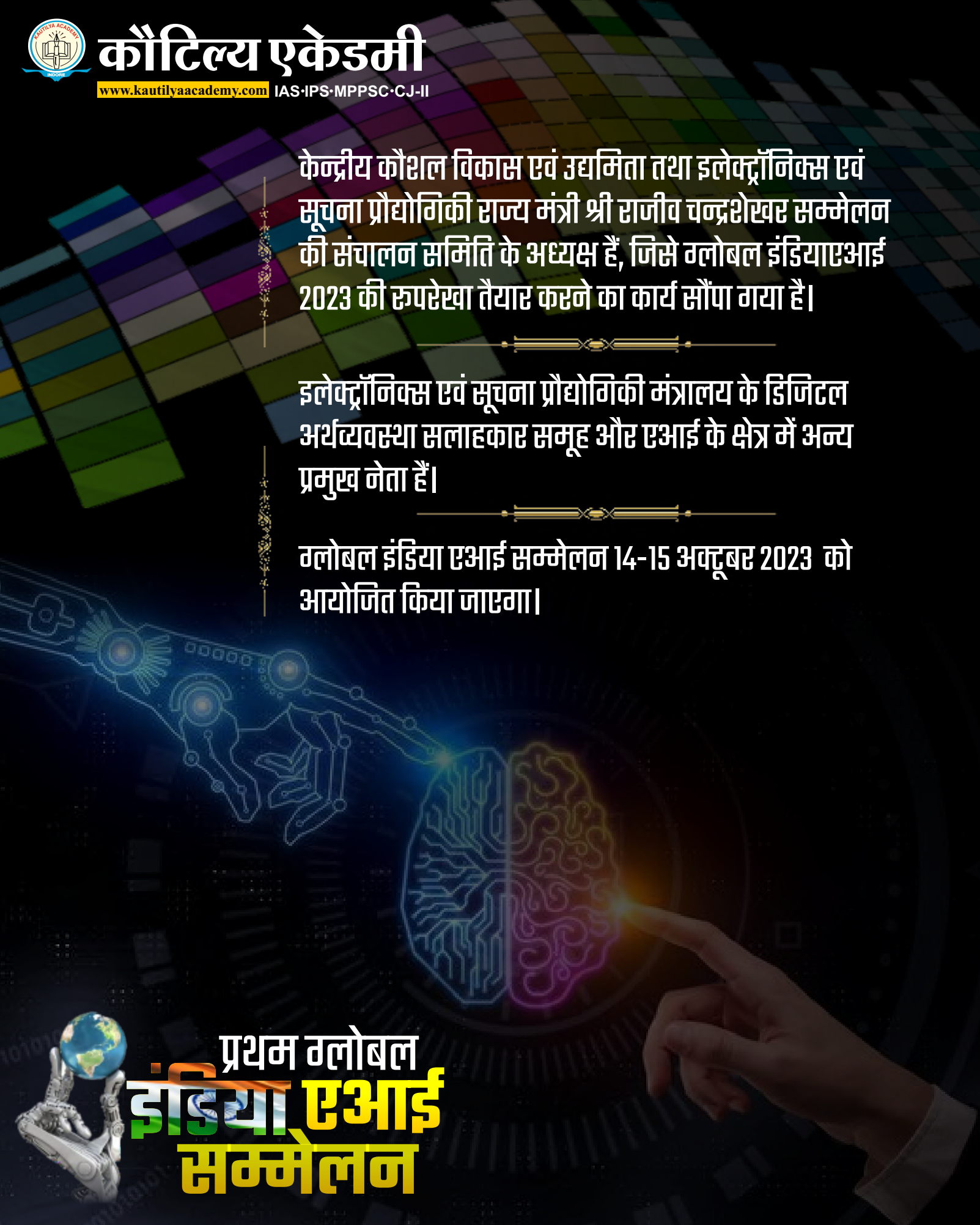

इस इवेंट में एआई प्लेटफॉर्म पर काम करने वाली प्रमुख कंपनियों, शोधकर्ताओं, स्टार्ट-अप के साथ वैश्विक और भारतीय निवेशक भी शामिल होंगे।

इनमें नेक्स्ट जेनरेशन लर्निंग और फाउंडेशनल एआई मॉडल, अगली पीढ़ी के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों में एआई का प्रयोग, एआई कंप्यूटिंग सिस्टम और निवेश के अवसर जैसे विषय शामिल होंगे।

इस सम्मेलन के उद्देश्य के बारे में कहा कि सरकार का दृष्टिकोण एआई के भविष्य और विभिन्न क्षेत्रों में इसके प्रभाव पर विचार-विमर्श करने के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक साथ लाना है।

प्रथम ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन

आदित्य एल1 मिशन

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो 2 सितंबर को आदित्य-एल1 मिशन लॉन्च करेगी।

आदित्य-एल1 मिशन हमें सूर्य के इन खतरनाक पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा और हमें इन खतरों से बचाने के लिए बेहतर तरीके विकसित करने में सक्षम करेगा।

आदित्य एल1 मिशन

सूर्य के अध्ययन से हमें सूर्य के गतिशील परिवर्तनों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त होगी और हम यह समझने में सक्षम होंगे कि सूर्य हमारे सौर मंडल और पृथ्वी पर कैसे प्रभाव डालता है।

इस मिशन का उद्देश्य सूर्य के बारे में हमारी समझ को गहरा करना है, विशेष रूप से इसके बाहरी वायुमंडल कोरोना की हीटिंग के बारे में।

आदित्य एल मिशन

आदित्य-एल1 मिशन में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) 1,475 किलोग्राम वजनी अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के चारों ओर एक अण्डाकार कक्षा में ले जाएगा।

अंतरिक्ष यान, जो सात वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा, चंद्रयान-3 मिशन की तुलना में दो गुना से अधिक हल्का है।

आदित्य एल1 मिशन

चंद्रयान- 3 मिशन की तरह, पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष यान की कक्षा के साथ-साथ वेग को तब तक बढ़ाया जाएगा जब तक कि यह सूर्य की ओर न चला जाए।

एल1 पॉइंट तक की दूरी लगभग चार महीने में तय की जाएगी।

फिर अंतरिक्ष यान को 11 बिंदु के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

यह पांच साल तक डेटा इकट्ठा करेगा।

आदित्य एल1 मिशन

आदित्य-एल1 मिशन में सात वैज्ञानिक उपकरण हैं जो सूर्य के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेंगे। इन उपकरणों में शामिल हैं:-

- एक स्पेक्ट्रोग्राफ जो सूर्य के प्रकाश को अलग-अलग तरंग दैर्ध्य में तोड़ देगा और हमें सूर्य के वातावरण के बारे में अधिक जानकारी देगा।
- एक एक्स-रे कैमरा जो सूर्य से निकलने वाले एक्स-रे को देखेगा।
- एक प्रोटोन और इलेक्ट्रॉन पल्स इमेजर जो सूर्य से निकलने वाले प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉनों का पता लगाएगा।
- एक चुंबकीय क्षेत्रमापी जो सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र को मापेगा।
- एक कण डिटेक्टर जो सूर्य से निकलने वाले कणों का पता लगाएगा।
- एक सौर कोरोनाग्राफ जो सूर्य के कोरोना को देखेगा।
- एक सौर गतिशीलता इमेजर जो सूर्य के वायुमंडल में ऊर्जा और पदार्थ के प्रवाह का अध्ययन करेगा।

आदित्य एल1 मिशन

गेबॉन में तख्तापलट

मध्य अफ्रीकी देश गैबॉन में तख्तापलट हो गया है। सेना ने चुनाव आयोग के वोटिंग के नतीजे का ऐलान करते ही देश पर कब्जा करने का ऐलान कर दिया है। इससे पहले राष्ट्रपति अली बोंगो ने तीसरी बार चुनाव जीता था।

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

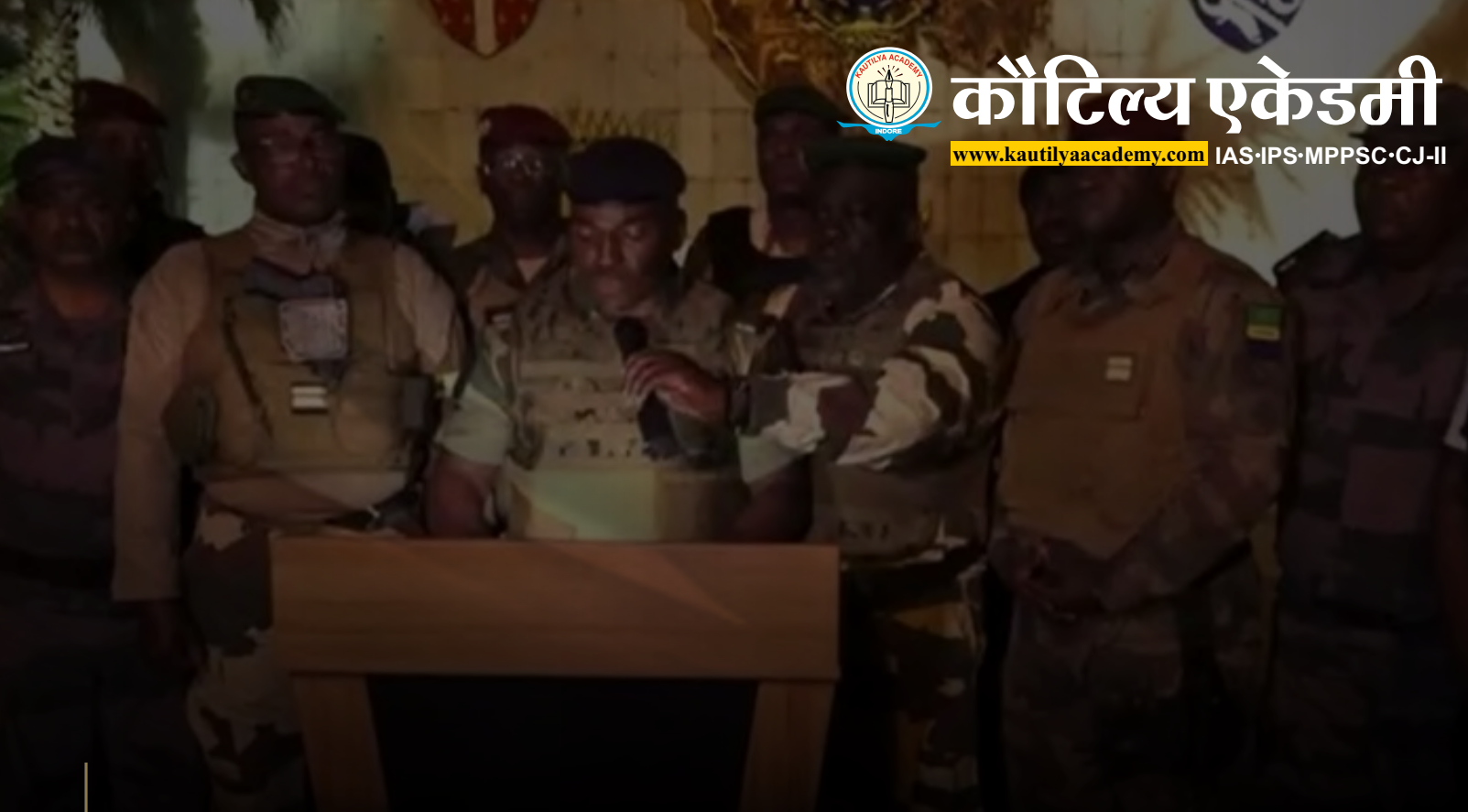

हाल ही में गेबॉन के सेना अधिकारियों ने कहा कि वो चुनाव नतीजे रद्द कर रहे हैं। चुनाव में राष्ट्रपति अली बोन्गो को तीसरी बार जीत मिली थी।

राजधानी लिब्रविल में सुरक्षा बलों की सराहना के लिए आम जनता सड़कों पर उतर आई।

राष्ट्रपति अली बोन्गो चार दशक से अधिक तक शासन करने वाले अपने पिता उमर के निधन के बाद साल 2009 में सत्ता में आए थे।

गेबॉन में तख़्तापलट

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

गेबॉन मध्य अफ़्रीका का देश है। वो यहां की क्षेत्रीय इकाई इकोनॉमिक कमिटी ऑफ़ सेंट्रल अफ़्रीकन स्टेट्स यानी ईसीसीएएस का सदस्य भी है।

गेबॉन की आबादी करीब 23 लाख है और ये अफ़्रीका के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक है ।

क्षेत्रफल के लिहाज से ये यूनाइटेड किंगडम से भी बड़ा है और इसके 90 फ़ीसदी हिस्से में जंगल है।

गेबॉन में तख़्तापलट